दल अवैध रूप से प्रवेश करने वाले पाकिस्तानी घुसपैठियों के पुन: प्रवेश को रोकने के लिये लगातार चौकसी रख रहे हैं ।

Oil-bearing Structures in Assam

*583. **Shri P. C. Borooah:**
Shri D. C. Sharma:
Shri Vishwa Nath Pandey:
Shri Kindar Lal:
Shri Hukam Chand Kachhavaiya:

Will the Minister of **Petroleum and Chemicals** be pleased to state:

(a) whether as reported in the 'Times of India' of the 16th November, 1965 a fairly large oil-bearing structure has been struck in Assam; and

(b) if so, Government's estimate about its potentiality?

The Minister of Petroleum and Chemicals (Shri Humayun Kabir): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

मंत्रियों के लिये आचार संहिता

*584. **श्री युद्धवीर सिंह :**
श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री बड़े :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मंत्रियों के लिये आचार संहिता बने लगभग दो वर्ष हो गये हैं,

(ख) अब तक कितने मंत्रियों ने अपनी आस्तियों और दायित्वों के विवरण दिये हैं; और

(ग) वे किन-किन राज्यों के है ?

गृह-कार्य मंत्री (श्री नन्दा) : (क) जी, नहीं । मंत्रियों के लिये आचार संहिता को 29 अक्तूबर, 1964 को ही प्रकाशित किया गया । लोक-सभा के सभा-पटल पर एक प्रति 18 नवम्बर, 1964 को रखी गई थी । 18 नवम्बर, 1964 को दिये गये तारांकित प्रश्न संख्या 56 के उत्तर की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है ।

(ख) और (ग). सभी केन्द्रीय मंत्रियों तथा संसदीय सचिवों ने अपनी आस्तियों तथा दायित्वों के बारे में घोषणा कर दी है । राज्यों/मंत्रियों वाले संघ राज्य क्षेत्रों मे से 7 के मुख्य मंत्रियों ने भी अपनी घोषणाएं कर दी है :—

1. हिमाचल प्रदेश
2. उड़ीसा
3. त्रिपुरा
4. मनीपुर
5. पश्चिम बंगाल
6. गोआ, दमन और दीव
7. पांडीचेरी

'समता सन्देश' (मध्य प्रदेश के हिन्दी समाचार पत्र) में राष्ट्रविरोधी लेख

*585. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
डा० लक्ष्मीमल्ल सिंघवी :
श्री हेम बरुआ :
श्री य० ब० सिंह :
श्री गुरुपदन :
श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :
श्री बड़े :
श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री युद्धवीर सिंह :
श्री भानु प्रकाश सिंह :
श्री स० मो० बनर्जी :
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री बूटा सिंह :
श्री प्रिय गुप्त :

श्री नरेन्द्र सिंह महीडा :
श्री श्यामलाल सर्राफ :
श्री सिद्धनंजप्पा :
श्री दलजीत सिंह :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गुजालपुर (म० प्र०) से प्रकाशित हिन्दी के समाचार पत्र "समता सन्देश" के 4 सितम्बर, 1965 के अंक संख्या 4 के सम्पादकीय में भारत और पाकिस्तान को एक ही स्तर पर मान कर भारत विरोधी विचार व्यक्त किये गये हैं; और

(ख) यदि हां, तो सरकार ने इस प्रकार की राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को रोकने की दृष्टि से इस मामले में क्या कार्यवाही की है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री ल० ना० मिश्र) : (क) और (ख). राज्य सरकार के अनुसार उक्त पत्र ने तथा-कथित लेख 3 सितम्बर, 1965 को छापा था। राज्य सरकार के दृष्टिकोण से कोई कार्यवाही करना जरूरी नहीं समझा गया क्योंकि वह लेख पूर्वाग्रहों से ग्रस्त अथवा आपत्तिजनक नहीं था।

Obscene Writings

*586. **Shri J. B. S. Bist:** Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) whether Government propose to amend the law relating to obscene writings;

(b) if so, the precise nature of the changes contemplated and their implications; and

(c) whether the proposed changes would provide for the imposition of a ban on the publications which publish material relating to incestuous relations or other offensive sexy material likely to pervert the youth?

The Deputy Minister in the Ministry of Home Affairs (Shri L. N. Mishra): (a) Yes, Sir.

(b) and (c). Government have under consideration certain proposals for amending the existing provisions of law relating to obscenity. These are yet to be finalised.

Cochin Refinery

*588. **Shri Warior:**
Shrimati Renu Chakravartty:
Shri H. N. Mukerjee:
Shri Indrajit Gupta:
Shri Vasudevan Nair:
Shri Daji:

Will the Minister of **Petroleum and Chemicals** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that plans to expand the capacity of the 2½ million ton Cochin Refinery to 3½ million tons have been stalled because of the reported reluctance of the Union Government to sanction it; and

(b) if so, the reasons therefor?

The Minister of Petroleum and Chemicals (Shri Humayun Kabir): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Admission to the Technical and Medical Colleges

*589. **Shri Yashpal Singh:** Will the Minister of **Education** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there are great irregularities in making admissions to the Technical and Medical Colleges in the country; and

(b) if so, the steps taken by Government to see that only deserving candidates are admitted to these colleges on the basis of merit?

The Minister of Education (Shri M. C. Chagla): (a) and (b). The colleges have been advised to make admissions on merit alone.

No great irregularities, as such, have come to the notice of the Government.